रज़्ज़ाज़ा झील

इराक की **रज़्ज़ाज़ा झील** कभी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र थी, जो अपने खूबसूरत दृश्यों और मछलियों की बहुतायत के लिये जानी जाती थी, जिस पर स्थानीय लोग निर्भर थे। अब मरी हुई मछलियाँ इसके तटों पर जमा हो जाती हैं और इसके चारों ओर की उपजाऊ भूमि एक बंजर रेगिस्तान में बदल गई है।

प्रमुख बिंदु

- रज़्ज़ाज़ा झील, जिसे मलिह झील के नाम से भी जाना जाता है तथा अरबी में इसे 'साल्ट लेक' कहाँ जाता है, इराक के अनबर और करबला प्रांतों के बीच स्थित है।
- यह इराक की दूसरी सबसे बड़ी झील है और एक विस्तृत घाटी का हिस्सा है जिसमें हब्बानियाह (Habbaniyah), थरथर (Tharthar)और बहर अल-नजफ (Bahr al-Najaf) की झीलें शामिल हैं।
- झील का निर्माण यूफ्रेट्स (Euphrates) नदी की बाढ़ को नियंत्रित करने और सिंचाई उद्देश्यों के लिये एक विशाल जलाशय के रूप में उपयोग करने हेतु किया गया था।
- इराक के अत्यधिक गर्म ग्रीष्मकाल के दौरान राहत पाने के लिये इराकियों और पर्यटकों द्वारा झील को एक मनोरंजक स्थल के रूप में देखा जाता है।
- झील को 'अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- हाल के वर्षों में यह झील न केवल पानी की कमी से बल्कि सूखे, उपेक्षा और इराक के गर्म ग्रीष्मकाल के दौरान बढ़ते वाष्पीकरण से प्रभावित हुई है। झील में सीवेज के पानी के डायवर्जन और इसे आवंटित पानी के कोटे की चोरी के कारण भी यह प्रदूषण की चपेट में आ गई है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/razzaza-lake-iraq